अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई

परीक्षा सत्र : नवम्बर/दिसम्बर 2018

परीक्षा का नाम : अलंकार पूर्ण

विषय : तबला-पखावज (द्वितीय प्रश्नपत्र)

दि. 11/11/2018 समय : दोपहर 2 से 5 कुल अंक : **100**

सूचनाएँ : (१) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखे।
(२) सभी के अंक समान हैं।

प्र. 1. स्वतंत्र तबला / पखावज वादन में प्रयुक्त विविध वादन प्रकारों की विशेषताएँ, इनकी साहित्य भाषा एवं वादन में उन प्रकारों का क्रम किस प्रकार होना चाहिए–विस्तृत जानकारी दीजिए। **(10+10)**

प्र. 2. क्या साथ संगत सिखाई जा सकती है ? आप के विचार लिखकर ख्याल / धृपद गायन की संगत किस प्रकार होनी चाहिए ? **(10+10)**

प्र. 3. तबला और पखावज में बाज तथा बनावट की दृष्टी से तुलना करें तथा तबले के लोकप्रियता के कारण बताईए। **(20)**

प्र. 4. तीनताल / आदिताल में एक कमाली चक्रदार लिपिबध्द करे तथा उसकी विशेषता समझाईए। **(20)**

प्र. 5. तबला / पखावज की विविध घरानेदार बंदिशों के रचनात्मक सौदर्य का सोदाहरण विवेचन कीजिए। (20)

प्र. 6. ''संगीत में रस निष्पत्ती' तथा उसका लय से क्या संबंध है ? (20)

प्र. 7. निम्नलिखित में से किन्ही दो कलाकारों की जीवनीयाँ लिखें : (10+10=20)

उ. कल्लू खाँ, उ. सिध्दार खाँ, पं. राम सहाय,

पं. दतोपंत मंगळवेढेकर, उ.हाजिविलायत अली खाँ, पं.जानकी प्रसाद